॥ लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः॥

| प्रकृत्यै नमः | | वसुधारिण्यै नमः | |
|-----------------------|----|----------------------|----|
| विकृत्ये नमः | | कमलायै नमः | |
| विद्याये नमः | | कान्तायै नमः | |
| सर्वभूतहितप्रदायै नमः | | क्षमाये नमः | |
| श्रद्धायें नमः | | क्षीरोदसम्भवायै नमः | |
| विभूत्ये नमः | | अनुग्रहपदायै नमः | ३० |
| सुरभ्ये नमः | | बुद्धये नमः | |
| परमात्मिकायै नमः | | अनघायै नमः | |
| वाचे नमः | | हरिवल्लभाये नमः | |
| पद्मालयायै नमः | १० | अशोकायै नमः | |
| पद्मायै नमः | | अमृतायै नमः | |
| शुचये नमः | | दीप्तायै नमः | |
| स्वाहाये नमः | | लोकशोकविनाशिन्यै नमः | |
| स्वधायै नमः | | धर्मनिलयायै नमः | |
| सुधायै नमः | | करुणायै नमः | |
| धन्यायै नमः | | लोकमात्रे नमः | 80 |
| हिरण्मय्ये नमः | | पद्मप्रियायै नमः | |
| लक्ष्म्ये नमः | | पद्महस्तायै नमः | |
| नित्यपुष्टाये नमः | | पद्माक्ष्यै नमः | |
| विभावर्ये नमः | २० | पद्मसुन्दर्थे नमः | |
| अदित्यै नमः | | पद्मोद्भवायै नमः | |
| दित्ये नमः | | पद्ममुख्ये नमः | |
| दीप्तायै नमः | | पद्मनाभप्रियायै नमः | |
| वसुधायै नमः | | रमायै नमः | |
| | | | |

| पद्ममालाधरायै नमः | | शुक्रमाल्याम्बरायै नमः | |
|-----------------------|----|-----------------------------|-----|
| देव्यै नमः | ५० | श्रियै नमः | |
| पद्मिन्यै नमः | | भास्कर्यें नमः | |
| पद्मगन्धिन्यै नमः | | बिल्वनिलयायै नमः | |
| पुण्यगन्धायै नमः | | वरारोहायै नमः | |
| सुप्रसन्नायै नमः | | यशस्विन्यै नमः | ८० |
| प्रसादाभिमुख्यै नमः | | वसुन्धरायै नमः | |
| प्रभायै नमः | | उदाराङ्गायै नमः | |
| चन्द्रवदनाये नमः | | हरिण्ये नमः | |
| चन्द्रायै नमः | | हेममालिन्यै नमः | |
| चन्द्रसहोदर्थै नमः | | धनधान्यकर्यें नमः | |
| चतुर्भुजायै नमः | ξο | सिच्चै नमः | |
| चन्द्ररूपायै नमः | | स्त्रेणसौम्यायै नमः | |
| इन्दिरायै नमः | | शुभप्रदायै नमः | |
| इन्दुशीतलायै नमः | | नृपवेश्मगतानन्दायै नमः | |
| आह्रादजनन्यै नमः | | वरलक्ष्म्यै नमः | ९० |
| पुष्ट्यै नमः | | वसुप्रदायै नमः | |
| शिवायै नमः | | शुभायै नमः | |
| शिवकर्यें नमः | | हिरण्यप्राकारायै नमः | |
| सत्यै नमः | | समुद्रतनयायै नमः | |
| विमलायै नमः | | जयायै नमः | |
| विश्वजनन्यै नमः | ०० | मङ्गलायै देव्यै नमः | |
| तुष्ट्यै नमः | | विष्णुवक्षःस्थलस्थितायै नमः | |
| दारिद्यनाशिन्यै नमः | | विष्णुपल्यै नमः | |
| प्रीतिपुष्करिण्यै नमः | | प्रसन्नाक्ष्यै नमः | |
| शान्तायै नमः | | नारायणसमाश्रितायै नमः | १०० |

दारिद्यध्वंसिन्यै नमः महाकाल्ये नमः

ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः भुवनेश्वर्यै नमः देव्ये नमः

सर्वोपद्रवहारिण्ये नमः

नवदुर्गायै नमः

॥ इति श्री लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा॥